राधिके ले चल परली पार | By Rakesh Kala

राधिके ले चल परली पार
राधिके ले चल परली पार
जहाँ बिराजे नटवर नागर
नटखट नन्द दुलार
राधिके ले चल परली पार
राधिके ले चल परली पार

गुण अवगुण सब उनको अर्पण
पाप पुण्य सब उनको समर्पण
मैं उनके चरणों की दासी
वो है प्राण आधार
राधिके ले चल परली पार
राधिके ले चल परली पार

उनसे आस लगा बैठी हूँ
लज्जाशील गँवा बैठी हूँ
सांवरिया मैं तेरी रागिनी
तू मेरा मल्हार
राधिके ले चल परली पार
राधिके ले चल परली पार

तेरे सिवा कुछ चाह नहीं है
कोई सूझती राह नहीं है
मेरे प्रीतम मेरे मांझी
सुनले करुण पुकार
राधिके ले चल परली पार
राधिके ले चल परली पार

आनंद धन यहाँ बरस रहा है
पत्ता पत्ता हरष रहा है
बहुत हुई अब हार गई मैं
पड़ी बीच मझधार
राधिके ले चल परली पार
राधिके ले चल परली पार

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%a7%e0%a4%bf%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%9a%e0%a4%b2-%e0%a4%aa%e0%a4%b0%e0%a4%b2%e0%a5%80-%e0%a4%aa%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-rakesh-kala/